सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

अगर तुम सूरज की तरह चमकना चाहते हो तो पहले सूरज की तरह जलो।
-एपीजे अब्दुल कलाम

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 89 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 4 मई, 2022

कोरोना का खतरा अभी टला .... 8 | यूपी की राजनीति के 'हाट केक' ... 3 | ट्रक ने टूरिस्ट बस को मारी ... 7

पहले चार लोगों ने किया रेप फिर थानेदार ने, बच्ची की उम्र 13 साल, डूब मरे यह तंत्र

» भोपाल में चार लड़कों ने किया था रेप, न्याय की आस में थाने पहुंची थी पीड़िता

» ललितपुर के पाली थाने के सरकारी क्वार्टर में किया गया दुष्कर्म, आपबीती सुनाते हुए फफक पड़ी किशोरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में अब रक्षक ही भक्षक बनने लगे हैं। गैंगरेप की शिकार 13 वर्षीय किशोरी जब ललितपुर के पाली थाने पहुंची तो उसे न्याय दिलाने और अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की बजाए उसके साथ थाने में भी हैवानियत की गयी। थाना प्रभारी ने सरकारी क्वार्टर में गैंगरेप पीड़िता से रेप किया। मामले के खुलासे के बाद पुलिस अधिकारियों के पसीने छूट गए। वहीं विपक्ष ने प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधा है। विपक्ष ने कहा कि बुलडोजर के शोर में असली सुधारों को दबाया जा रहा है। साथ ही सवाल उठाया कि इन वर्दीधारियों के खिलाफ कौन बुलडोजर चलाएगा?

आरोपी थाना प्रभारी फरार विपक्ष ने सरकार पर साधा निशाना, पूछा, इन पर कब चलेगा बुलडोजर

पीड़िता की मां ने तहरीर में बताया कि 22 अप्रैल को चंदन, राजभान, हरिशंकर और महेंद्र चौरसिया किशोरी को बहला-फुसलाकर भोपाल ले गए थे। वहां उन्होंने तीन दिनों तक उसके साथ रेप किया। 25 अप्रैल को पाली कस्बे के थाने में छोड़कर फरार हो गए। बाद में पुलिस ने किशोरी की मौसी को बुलाकर उसे सौंप दिया। 27 अप्रैल को एसएचओ ने बयान के लिए थाने बुलाया और फिर एसएचओ तिलकधारी सरोज ने किशोरी को कमरे में ले जाकर दुष्कर्म किया। 30 अप्रैल को पुलिस ने उसे फिर थाने बुलाया और लड़की को चाइल्ड लाइन भेज दिया गया। इसके बाद बाल कल्याण अधिकारी एवं क्षेत्राधिकारी मड़ावरा केशव नाथ ने 181 हेल्पलाइन यूनिट में पीड़िता के बयान लिए जहां पीड़िता अपनी आपबीती सुनाते हुए रो पड़ी।

पुलिस ने आरोपी थानाध्यक्ष पाली तिलकधारी सरोज, चंदन, राजभान, हरिशंकर, महेन्द्र चौरसिया और एक महिला के खिलाफ धारा 363, 376, 376 बी, 120 बी और पॉक्सो एक्ट के साथ एससी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। दूसरी ओर आरोपी थानेदार फरार है।

वसूली, हत्या के बाद अब रेप भी करने लगी यूपी पुलिसः अखिलेश

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने ललितपुर कांड पर अपनी पार्टी के ट्वीट को रिट्वीट करते हुए प्रदेश सरकार पर निशाना साधा है। इसमें कहा गया है कि योगी की पुलिस निरंकुश हो चुकी है। चंदौली में एक मासूम बेटी के साथ रेप और हत्या के आरोपों के बाद यूपी की योगी की पुलिस पर ललितपुर के पाली में पुलिसवालों द्वारा सामूहिक बलात्कार का आरोप लगा है। वसूली, हत्या, अपहरण, फिरौती के बाद अब यूपी पुलिस रेप और गैंगरेप भी करने लगी है।

पीड़ित परिवार से मिलने सपा प्रमुख ललितपुर रवाना

ललितपुर में सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता से थाने में दुष्कर्म के मामले ने तूल पकड़ लिया है। विपक्षी दलों ने जहां प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधा है वहीं सपा प्रमुख और नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव पीड़ित परिवार से मिलने ललितपुर रवाना हो गए हैं।

"ललितपुर में एक 13 साल की बच्ची के साथ गैंगरेप और फिर शिकायत लेकर जाने पर थानेदार द्वारा बलात्कार की घटना दिखाती है कि बुलडोजर के शोर में कानून व्यवस्था के असल सुधारों को कैसे दबाया जा रहा है। अगर महिलाओं के लिए थाने ही सुरक्षित नहीं होंगे तो वे शिकायत लेकर जाएंगी कहां?

– प्रियंका गांधी, कांग्रेस महासचिव

"यूपी पुलिस हत्या और बलात्कार में नंबर वन। गैंगरेप की पीड़िता न्याय के लिये थाने पहुंची तो दारोगा ने भी उसे अपनी दरिंदगी का शिकार बनाया। आदित्यनाथ जी आपकी पुलिस ने चंदौली में एक बेटी की हत्या की, ललितपुर में किशोरी से बलात्कार किया। इन खाकीवर्दी के दरिंदों पर बुलडोजर कौन चलायेगा?

-संजय सिंह, आप सांसद

पूरा थाना लाइन हाजिर, झांसी के डीआईजी को सौंपी जांच

एडीजी जोन भानु भास्कर ने थाना पाली के पूरे स्टाफ को लाइन हाजिर कर दिया है। इसमें 6 एसआई, 6 हेड कॉन्स्टेबल, 10 सिपाही, 5 महिला आरक्षी, एक चालक और एक फालोअर शामिल हैं। मामले की जांच झांसी डीआईजी जोगेंद्र सिंह को सौंपी गयी है। एडीजी ने 24 घंटे में जांच पूरी करने के निर्देश दिए हैं। वहीं पीड़ित किशोरी का मेडिकल कराया जा रहा है। इसके साथ ही आरोपी मौसी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

क्या कहना है एसपी का

ललितपुर के एसपी निखिल पाठक ने बताया कि किशोरी को उसकी मौसी के साथ चाइल्ड लाइन भेज दिया गया था, जहां बच्ची ने काउंसलिंग के दौरान अपने साथ हुई पूरी घटना को बताया। चाइल्ड लाइन की शिकायत के बाद पाली थाना इंचार्ज सहित 6 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। मामले में दो आरोपियों सहित तीन को गिरफ्तार किया गया है। एसएचओ को निलंबित कर लाइन में अटैच किया गया था लेकिन वह फरार हो गया है। आरोपियों को पकड़ने के लिए टीमें लगाई गई हैं।

सीएम योगी पहुंचे अपने गांव पंचूर, मां से लिया आशीर्वाद

» मां ने सिर पर हाथ रखकर दिया योगी को आशीर्वाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ तकरीबन 28 साल बाद अपने पैतृक घर पंचूर गांव पहुंचे। उत्तराखंड के पौड़ी जनपद में यमकेश्वर स्थित पंचूर में योगी के पहुंचते ही पूरा गांव मानो झूम उठा। खासकर सीएम योगी के घरवालों के लिए यह मौका खुशियों से बारिश से कम नहीं था। योगी आदित्यनाथ ने अपनी मां सावित्री देवी के पैर छुए और आशीर्वाद लिया।

मां के गले पर फूलों का हार पहनाकर वो उनकी बगल में बैठ गए। इस दौरान योगी काफी भावुक भी नजर आए। हो भी क्यों न पिता आनंद सिंह बिष्ट की मौत के दो साल बाद वो पहली बार मां से मिल रहे थे। सीएम योगी ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर एक तस्वीर भी पोस्ट की। कैप्शन में लिखा- मां। योगी ने पांव छूकर अपनी मां की आशीर्वाद ग्रहण किया और बाद में इस भावुक मगर यादगार लम्हे को ट्वीट कर अपनी भावनाओं का इजहार किया। ट्वीट में सिर्फ मां शब्द लिखकर मानो उन्होंने अपनी समस्त भावनाओं को उड़ेल दिया। अपने बैरागी पुत्र को देखकर बुजुर्ग मां का चेहरा दमक उठा था। योगी ने मां का हालचाल पूछा और कुछ समय तक उनसे बातचीत की। इससे पहले मुख्यमंत्री तमाम सरकारी तामझाम के बगैर पैदल ही अपने गांव पहुंचे जहां पहाड़ी गीत के साथ उनका तहेदिल से स्वागत किया गया। इस अवसर पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मौजूद थे। योगी ने इससे पहले अपने स्कूल के गुरू का सम्मान किया और ट्वीट कर कहा कि आज मुझे यमकेश्वर, पौड़ी-गढ़वाल, उत्तराखंड में अपने स्कूल के गुरुजन के दर्शन एवं उनका सम्मान करने का भी सौभाग्य प्राप्त हुआ।

चंपावत विधानसभा उपचुनाव का ऐलान 30 मई को मतदान

धामी को हर हॉल में जीतना होगा उपचुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। भारतीय चुनाव आयोग ने उत्तराखंड की चंपावत विधानसभा सीट के उपचुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है। इस सीट पर 31 मई को मतदान होगा। वहीं नतीजे 3 जून को घोषित किए जाएंगे। चंपावत सीट से उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ताल ठोक रहे हैं। वह कुछ महीने पहले हुए विधानसभा चुनाव में खटीमा सीट से हार गए थे। चंपावत उपचुनाव में भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच मुकाबला देखने को मिल सकता है।

भारतीय चुनाव आयोग की अधिसूचना के मुताबिक, चंपावत उपचुनाव के लिए नामांकन जमा करने की अंतिम तारीख 11 मई है। इसके बाद 12 मई को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। वहीं, 6 मई तक कैंडिडेट अपना पर्चा वापस ले सकते हैं। इसके अलावा 31 मई को मतदान, तो 3 जून को मतगणना होगी। चुनाव आयोग के अनुसार, चंपावत विधानसभा सीट पर 5 जून तक चुनाव की प्रक्रिया संपन्न हो जानी चाहिए। विधानसभा चुनाव 2022 में खटीमा में मिली पराजय के बाद धामी को मुख्यमंत्री बने रहने के लिए शपथ ग्रहण करने के छह महीने के भीतर उपचुनाव लड़कर विधानसभा का सदस्य बनना होगा। बता दें कि चंपावत के भाजपा विधायक कैलाश गहतोड़ी ने अपने युवा सीएम के लिए इस्तीफा दिया है। जबकि चंपावत उपचुनाव के लिए पार्टी ने प्रदेश सहप्रभारी रेखा वर्मा की अध्यक्षता में एक टीम गठित की गई है, जिसका संयोजक गहतोड़ी को बनाया गया है। इसके अलावा प्रदेश महामंत्री (संगठन) अजेय, कैबिनेट मंत्री चंदन रामदास, वरिष्ठ नेता कैलाश शर्मा और पार्टी के महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दीप्ति रावत भी टीम का हिस्सा होंगी। यही नहीं, कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चंपावत में रोड शो करके अपना दम दिखाया है। इससे पहले वह चंपावत को लेकर कई बड़ी घोषणाएं कर चुके हैं। वहीं, स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि सीएम का क्षेत्र होने के कारण अब चंपावत का विकास काफी तेजी से होगा।

नगर निकाय चुनाव में उतरने की तैयारी में सपा

पार्टी ने नए परिसीमन पर निगाह रखने के दिए निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी अपने संगठनात्मक सुधार के साथ ही नगर निकाय चुनाव में उतरने की तैयारी में जुट गई है। इसके लिए सभी जिला एवं महानगर अध्यक्षों को नए सिरे से होने वाले परिसीमन पर निगाह रखने और मतदाताओं के बीच पैठ बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।

पार्टी के थिंक टैंक का मानना है कि जिला पंचायत अध्यक्ष चुनाव में भले उसे मात खानी पड़ी, लेकिन बड़ी संख्या में सपा समर्थक जिला पंचायत सदस्य, बीडीसी व ग्राम प्रधान विजयी हुए। नगर निगम, नगर पंचायत, नगर पालिका परिषद के चेयरमैन

से लेकर वार्ड सदस्य तक का चुनाव सीधे जनता करती है। इसे ध्यान में रखते हुए सभी जिला एवं महानगर अध्यक्षों को अपने-अपने संगठनात्मक ढांचें को सक्रिय करने को कहा गया है। साथ ही नगर पालिका व नगर पंचायतों की वार्डवार कमेटी से निष्क्रिय लोगों की जगह सक्रिय लोगों को जिम्मेदारी देकर तैयारी शुरू करें। प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने पदाधिकारियों से कहा है कि 56 जिलों के 151 निकायों में नए सिरे से परिसीमन हो रहा है। यहां 2011 की जनगणना के अनुसार वार्ड का निर्धारण पांच मई तक पूरा होना है। जिला और नगर प्रशासन से बात कर निर्धारित सीमा के बारे में जानकारी करें। कोई समस्या हो तो प्रदेश कार्यालय को बताएं। ध्यान रखें परिसीमन में किसी क्षेत्र विशेष को छोड़ा जाता है या बिना नियम के जोड़ा जाता है तो अपनी आपत्ति दर्ज कराएं।

जनता स्वयं करे निर्माण कार्यों का निरीक्षण : शलभ मणि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देवरिया। देवरिया सदर विधानसभा क्षेत्र में सड़कों की दशा बदलनी शुरू हो गई है। क्षेत्र की बदहाल 75 सड़कों की दशा सुधारने के लिए नव निर्वाचित विधायक डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी के प्रयास से 15 करोड़ मंजूर हुए हैं। इन सड़कों की मरम्मत कार्य शीघ्र शुरू होगा।

विधायक शलभ मणि त्रिपाठी ने क्षेत्र की जनता से अनुरोध किया है कि वह निर्माण कार्य पर नजर रखे, उन्होंने निर्माण एजेंसियों को चेतावनी दी है कि निर्माण की गुणवत्ता से किसी भी दशा में समझौता नहीं किया जाएगा। शलभ मणि ने कहा कि सड़कें यदि खराब बनीं तो संबंधित एजेंसी से उसी पैसे में दुबारा सड़क बनवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता स्वयं भी निमार्ण कार्यों का निरीक्षण कर सकती है। देवरिया सदर विधायक ने कहा कि सड़कों के निर्माण में गुणवत्ता स्वयं क्षेत्र की जनता करे, गड़बड़ी मिले तो तुरंत इसकी जानकारी मुझे फोन पर दें। दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई कराई जाएगी।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

ईद पर एक साथ दिखे अखिलेश और पाठक

» त्यौहार पर सबको दी मुबारकबाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। ईद के त्यौहार पर प्रदेश के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक, पूर्व डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा व नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव मंच पर एक साथ दिखे। इन तीनों ने प्रदेशवासियों सहित मुस्लिम भाईयों को ईद की मुबारकबाद दी।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लोगों को ईद की बधाई देते हुए कहा कि त्यौहारों के माध्यम से यह संदेश जाना चाहिए कि इस पीढ़ी से अगली पीढ़ी तक हम मिलकर यहां रहते आए हैं। यही हमारी पहचान है कि हम सब मिलकर रहते हैं। ईद पर्व से सद्भाव, भाईचारा और सुख-शांति का संदेश मिलता है। सपा अध्यक्ष कल सुबह लखनऊ ईदगाह पहुंचे। यहां लोगों को

मुबारकबाद दी और फिर टीले वाली मस्जिद पहुंचे। यहां मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली, टीले वाली मस्जिद के इमाम मौलाना फजले मन्नान, हजरत मौलाना सैय्यद शाह वासिफ हसन आदि ने उनका स्वागत किया। इस दौरान वह नेता प्रतिपक्ष रहे स्व. अहमद हसन के पुत्र हामिद, राजा महमूदाबाद हाउस सहित विभिन्न स्थानों पर पहुंचे और ईद की मुबारकबाद दी। इसके अलावा वहां उप-मुख्यमंत्री बृजेश पाठक और पूर्व डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा भी मौजूद रहे। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि जिस तरीके से हम लोग मिलकर रहे हैं।

यूपी की राजनीति के 'हाट केक' बने आजम खां

शिवपाल यादव ने ट्वीट कर फिर बढ़ाई सियासी हलचल

» यूपी की सियासत में बड़ा उलटफेर करने की तैयारी में प्रसपा प्रमुख

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। सीतापुर की जेल में बंद समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और विधायक आजम खां इन दिनों उत्तर प्रदेश की राजनीति के हाट केक बने हुए हैं। मुलायम सिंह यादव के साथ समाजवादी पार्टी की स्थापना में अहम भूमिका निभाने वाले आजम खां के प्रति समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव की बेरुखी को कैश कराने में तमाम दल लग गए हैं। इनमें शिवपाल सिंह यादव फिलहाल सबसे आगे हैं।

प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने जेल में जाकर आजम खां से करीब डेढ़ घंटा तक भेंट की। इसके बाद से अन्य नेताओं ने भी प्रयास किया। समाजवादी पार्टी के विधायक शिवपाल सिंह यादव ने आजम खां का एक पुराना वीडियो शेयर किया है, जिसमें आजम खां रामपुर के लोगों के लिए अपने विकास के काम गिना रहे हैं। इसी वीडियो में आजम खां जौहर यूनिवर्सिटी को बनाने का उद्देश्य भी बता रहे हैं। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के प्रमुख चीफ शिवपाल सिंह यादव एक बार फिर यूपी की सियासत में बड़ा उलटफेर करने की तैयारी में हैं। प्रसपा प्रमुख शिवपाल यादव ने एक ट्वीट के जरिए सियासी हलचल बढ़ा दी है। आजम खां को लेकर शिवपाल यादव ने लिखा अच्छी और ईमानदार सोच हमेशा अपने मुकाम पर पहुंचती है। मैं आपके साथ था, हूं और रहूंगा। अभी हाल ही में शिवपाल यादव ने सीतापुर जेल में बंद सपा के कद्दावर नेता आजम खां से मुलाकात की थी। अखिलेश यादव से आजम खां की इन दिनों चल रही नाराजगी का लाभ उठाने के प्रयास में कई दल सक्रिय हो गए हैं। शिवपाल सिंह यादव तो लगातार आजम खां को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने आज आजम खां का काफी पुराना वीडियो ट्वीटर पर शेयर किया। इस पुराना वीडियो को शेयर कर शिवपाल सिंह यादव काफी भावुक हुए और कहा कि मैं आपके साथ था, हूं और रहूंगा।

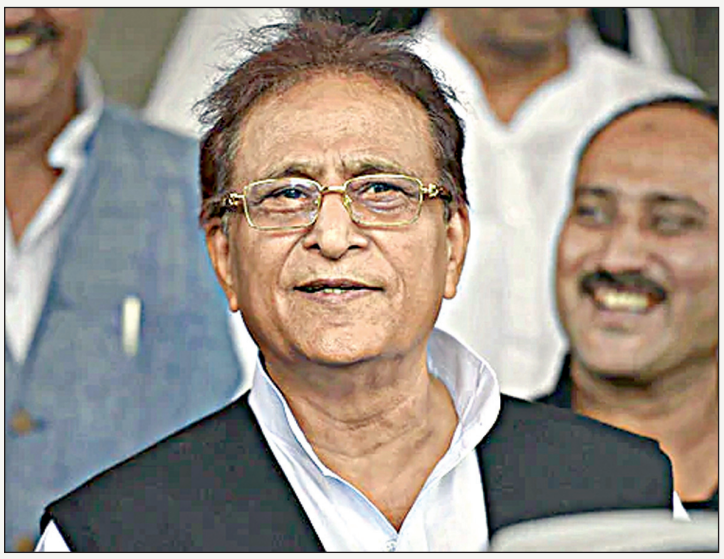

आजम से मिलने के बाद फिर बदली चाल

सीतापुर जेल में आजम खान से मिलने के बाद शिवपाल की सियासी चाल फिर से बदल गयी है। अब वे आजम के जेल से बाहर आने का वेट कर रहे हैं जिससे एक अलग नया मोर्चा बना सकें। कुल मिलाकर ऐसा लग रहा है कि शिवपाल यादव की राजनीति अभी सेट नहीं हो पायी है। उनके स्टेटस को लेकर अखिलेश यादव और खुद वे दोनों फंसे हुए हैं इसीलिए अखिलेश कह रहे हैं कि भाजपा उन्हें ले क्यों नहीं लेती और इसके जवाब में शिवपाल कहते हैं कि अखिलेश उन्हें विधानमंडल दल से निकाल क्यों नहीं देते।

तेज होती जा रही है राजनीति

जेल में बंद आजम खां को लेकर अब हर दिन राजनीति तेज होती जा रही है। समाजवादी पार्टी के विधायक शिवपाल सिंह यादव ने आजम खां को लेकर एक ट्वीट किया है, जिसमें आजम खान का एक वीडियो भी शेयर किया है। इस वीडियो में आजम खां अपने कामों को गिना रहे हैं। आजम खां वीडियो में कह रहे हैं कि मेरे बच्चों के भी स्कूल हैं और बच्चियों के भी स्कूल हैं। एक बहुत बड़ा विश्वविद्यालय बनाया है और एक मेडिकल इंस्टीट्यूट ऐसा बनाया है जिस पर पूरा राष्ट्र गर्व करेगा। यह कहना चाहता हूं कि अगले पांच वर्ष में जौहर विश्वविद्यालय एशिया का सबसे शानदार विश्वविद्यालय होगा। यह केवल एक घर वालों के लिए नहीं है या केवल एक जाति वालों के लिए नहीं है। शिक्षा के मंदिर में किसी जाति और धर्म की ज्योति नहीं जलाई जा सकती है।

हिचकोले खा रही शिवपाल की सियासी नाव, जमीन तलाशने में जुटे प्रसपा प्रमुख

प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (प्रसपा) के प्रमुख शिवपाल सिंह यादव ने अपने भतीजे और सपा प्रमुख अखिलेश यादव से बगावत तो मोल ले ली लेकिन अभी तक वे अपनी अलग राह तलाश नहीं कर पाये हैं। समर्थक भी उनके फैसले का इंतजार कर रहे हैं। उनकी भाजपा से नजदीकी को लेकर भी सियासी गलियारों में अटकलें तेज हैं। वहीं सपा प्रमुख से नाराज आजम खां से मिलकर उन्होंने सियासी पारे को और बढ़ा दिया है। बावजूद इसके शिवपाल की सियासी नाव को अभी कोई ठौर नहीं मिला है। उन्होंने सपा सरकार के पहले दौर में अखिलेश यादव से बगावत की। नई पार्टी बनाई। फिर विधान सभा के चुनाव में अखिलेश के साथ आये। पूरे चुनाव वे कहते रहे कि उन्होंने अखिलेश को नेता मान लिया है। फिर चुनाव के बाद बगावत शुरू कर दी। यह भी कि वे रामनवमी में अयोध्या के दौरे पर जाएंगे और लौटकर बड़ा फैसला लेंगे लेकिन आज तक उनके फैसले का इंतजार हो रहा है। इस बीच उन्होंने अपनी प्रगतिशील समाजवादी पार्टी की सभी ईकाइयों को भी भंग कर दिया।

प्रदेश में संगठन को मजबूत करने में जुटा कांग्रेस नेतृत्व, बनायी जा रही रणनीति

» लोक सभा चुनाव के पहले अध्यक्ष पद के लिए तलाश हो रही है नए चेहरे की

» यूपी विधान सभा चुनाव में महज दो सीटें जीत सकी पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में करारी शिकस्त खाने के बाद अब कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व प्रदेश में संगठन को मजबूती देने में जुट गया है। इसके लिए बाकायदा प्लान तैयार किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष के लिए नए चेहरों की तलाश की जा रही है। माना जा रहा है कि जल्द ही कांग्रेस अपनी रणनीति को जमीन पर उतारेगी।

कांग्रेस ने अपने संगठन को मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। हालिया विधान सभा चुनावों में हार के बाद कांग्रेस उत्तर प्रदेश पर फोकस कर रही है। पार्टी यूपी में प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए दलित या ब्राह्मण चेहरे की तलाश कर रही है। सूत्रों की मानें तो पार्टी के भीतर कई विकल्पों पर मंथन चल रहा है। गौरतलब है कि विधान सभा चुनाव में कांग्रेस का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। यूपी की 403 सदस्यीय विधान सभा में पार्टी महज दो सीटें जीत पायी है। ऐसे में 2024 में होने वाले लोक सभा चुनाव को लेकर कांग्रेस बेहद चिंतित है और प्रदेश में अपनी सियासी जमीन मजबूत करने पर ध्यान दे रही है। अगले लोक सभा चुनाव के लिए कांग्रेस खुद को भाजपा के खिलाफ मजबूती से खड़ा करना चाहती है। वह जल्द कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्षों की नियुक्ति कर सकती है। सूत्रों की मानें तो इसमें से एक चेहरा अल्पसंख्यक समुदाय से होगा। हालांकि कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक पार्टी के पास सीमित विकल्प हैं। दलित चेहरे की यदि बात करें तो पीएल पुनिया एक चेहरा हैं जो मौजूदा वक्त में छत्तीसगढ़ के प्रभारी हैं। वहीं ब्राह्मण चेहरे में प्रमोद तिवारी का नाम प्रमुख है। हालांकि उनकी बेटी आराधना मिश्रा विधायक दल की नेता हैं। कांग्रेस के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया, यूपी जैसे राज्य के लिए कोई भी एक व्यक्ति अकेले जिम्मेदारी नहीं संभाल सकता इसलिए नई संगठनात्मक व्यवस्था की जाएगी, ताकि जिम्मेदारी बंट सके और पदों का क्रम भी बना रहे। यूपी में जातिगत चीजें भी हैं। इसके चलते समय लग रहा है।

इनके नाम पर भी चर्चा

पार्टी के एक वर्ग की तरफ से नेतृत्व की भूमिकाओं के लिए कुछ नामों का सुझाव दिया गया है। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष निर्मल खत्री और पार्टी के दो विधायकों में से एक वीरेंद्र चौधरी का नाम शामिल है। इसके अलावा कुछ लोगों ने बड़े पद के लिए आचार्य प्रमोद कृष्णम का नाम भी आगे किया है।

अजय कुमार लल्लू दे चुके हैं इस्तीफा

विधान सभा चुनाव में हार के बाद उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रमुख अजय कुमार लल्लू ने अपना इस्तीफा दे दिया था। इस इस्तीफे को एक महीने से ज्यादा का समय हो चुका है। खबर है कि पार्टी यूपी में एक से ज्यादा नेताओं को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की कमान सौंप सकती है। खास बात है कि 13 मई से राजस्थान के उदयपुर में कांग्रेस का चिंतन शिविर शुरू हो रहा है। ऐसे में अध्यक्ष नहीं होने के चलते साफ नहीं है कि बैठक में यूपी का प्रतिनिधि कौन करेगा।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

स्मार्ट शहर का सपना और सिस्टम

सरकार भले ही लखनऊ समेत प्रदेश के तमाम शहरों को स्मार्ट बनाने का सपना देख रही हो लेकिन सरकारी तंत्र ही इसमें सबसे बड़ा रोड़ा बन गया है। राजधानी सहित अधिकांश शहर अव्यवस्थाओं के शिकार हैं। सड़क से लेकर गलियों तक में गंदगी का अंबार है। बदहाल सड़कों पर कूड़े के ढेर हैं। कूड़ा उठान और इसके निस्तारण की व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। नाली और नाले जाम है। सड़कों पर सीवर का पानी बह रहा है। कुल मिलाकर शहरों के हाल बद से बदतर होते जा रहे हैं। सवाल यह है कि शहरों की अव्यवस्था के लिए कौन जिम्मेदार है? कूड़ा उठान की व्यवस्था आज तक दुरुस्त क्यों नहीं हुई? स्वच्छता अभियान के नाम पर खानापूर्ति क्यों की जा रही है? शहरों को साफ-सुथरा रखने के लिए जारी भारी भरकम बजट कहां खर्च हो रहा है? जल निकासी और कूड़ा निस्तारण की समुचित व्यवस्था क्यों नहीं की गयी? नगर निगम और नगर पालिकाएं क्या कर रही हैं? क्या पूरा तंत्र ही भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है? क्या ऐसे ही शहरों को स्मार्ट किया जा सकेगा?

सवाल यह है कि शहरों की अव्यवस्था के लिए कौन जिम्मेदार है? कूड़ा उठान की व्यवस्था आज तक दुरुस्त क्यों नहीं हुई? स्वच्छता अभियान के नाम पर खानापूर्ति क्यों की जा रही है? शहरों को साफ-सुथरा रखने के लिए जारी भारी भरकम बजट कहां खर्च हो रहा है? जल निकासी और कूड़ा निस्तातरण की समुचित व्यवस्था क्यों नहीं की गयी?

शहरों को संवारने की जिम्मेदारी नगरपालिकाओं और नगर निगमों को सौंपी गयी है। इसके लिए इनके पास पर्याप्त संख्या में कर्मचारी और अधिकारी है। हर साल बजट जारी होता है लेकिन हालात सुधरने के बजाए बिगड़ते जा रहे हैं। लखनऊ की हालत से दूसरे शहरों का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। राजधानी को साफ-सुथरा रखने की जिम्मेदारी नगर निगम की है लेकिन यहां के हालात कस्बे से भी बदतर हैं। सड़क से लेकर गलियों तक में गंदगी फैली रहती है। कुछ पॉश इलाकों को छोड़कर अधिकांश शहर के इलाकों में नगर निगम के कर्मचारी सफाई या कूड़ा उठान के लिए नहीं जाते हैं। कॉलोनी के खाली प्लाट कूड़े के डंपिंग ग्राउंड बन गये हैं। पुराने शहर की हालत और भी खराब है। यहां जल निकासी की व्यवस्था चौपट हो चुकी है। सफाई नहीं होने के कारण नालियां और नाले जाम हैं। सीवर का पानी सड़कों पर बहता रहता है। इसके कारण लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ती है। हालत यह है कि कई इलाकों में लोग निजी कर्मचारियों से सफाई कराने के लिए मजबूर है। कूड़ा निस्तारण की आज तक समुचित व्यवस्था नहीं हो सकी है। लिहाजा शहर के बाहर कूड़े का पहाड़ बन गया है। बढ़ती गंदगी के कारण संक्रामक रोगों का खतरा हमेशा बना रहता है। जाहिर है यदि सरकार शहर को स्मार्ट बनाना चाहती है तो उसे संबंधित विभाग को जवाबदेह बनाना होगा। वहीं लापरवाह कर्मियों और कार्यदायी संस्थाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी होगी अन्यथा हालात को सुधारा नहीं जा सकेगा।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जन सक्रियता से ही रुकेगी जंगलों की आग

ज्ञानेन्द्र रावत

आज कल उत्तराखंड के जंगल धधक रहे हैं। उत्तराखंड में आग लगने की यह हर साल होने वाली त्रासदी है, जिसके चलते हर वर्ष लाखों हेक्टेयर जंगल स्वाह हो जाते हैं। हजारों-लाखों पशु-पक्षियों, कीट-पतंगों, वन्य जीव-जंतुओं के आवास नष्ट होते ही हैं, वे मजबूरी में आग की समिधा भी बन जाते हैं। अकूत बहुमूल्य जैव संपदा का ह्रास होता है सो अलग। वन्य जीव तो आग के ताप से बचने और अपने पेट की आग बुझाने की खातिर मानव आबादी की ओर नीचे की तरफ कूच करते हैं। इससे जंगली जीव-जंतुओं के सामने भी अस्तित्व का संकट पैदा हो जाता है। फिर भी हमारी सरकार इस स्थायी आपदा के समाधान की दिशा में कुछ ठोस कारगर कदम क्यों नहीं उठाती। यदि शुरुआती दौर में ही वन विभाग आग बुझाने में तत्परता से कार्रवाई करता तो हालात इतने भयावह न होते।

उत्तराखंड के कई जिलों के जंगल बीते कई हफ्तों से दावानल से धधक रहे हैं। राज्य के आठ जिले सर्वाधिक प्रभावित हैं। हर जगह आग ही आग है और पहाड़ तप रहे हैं। धुएं से पास की मानव आबादी के लिए सांस लेना मुश्किल हो रहा है। तेज हवाएं आग धधका रही हैं। जहां तक आग बुझाने का सवाल है, वन कर्मी हों या फिर आईटीबीपी या दूसरे अर्धसैनिक बलों के जवान हों, मौके तक पहुंच पाने में गर्मी और आग की तपिश के चलते खुद को असमर्थ पा रहे हैं। हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर से लगे पहाड़ कई किलोमीटर तक भयंकर आग की चपेट में हैं। सबसे अधिक चिंता है कि यदि यह आग राजाजी नेशनल पार्क तक जा पहुंची तो वहां वन्य जीवों को बचाना मुश्किल हो जायेगा। उत्तरकाशी जिला मुख्यालय भी आग से अछूता नहीं। टौंस वन प्रभाग, डुंडा रेंज, मातली के पास के जंगल, बद्रीनाथ के ऊपर पहाड़ी के और गंगा-यमुना घाटी के जंगल धू-धूकर जल रहे हैं। यहां 1400 हेक्टेयर जंगल खाक हो गये हैं। टिहरी में जंगल में आग की 1070 घटनाएं हुईं, जिसमें वन विभाग के अनुसार 42 लाख का नुकसान हुआ है। यहां आग से कई लोग घायल हुए हैं। श्रीनगर में जंगल की आग मेडिकल कॉलेज के छात्रावास तक पहुंच गयी है।

रुद्रप्रयाग में जंगल में आग की तकरीबन 750 घटनाएं हुई हैं जिनका धुआं शहर तक पहुंच गया है। पौढ़ी में तो जंगल की आग की चपेट में करीब 800 कुंतल पिरूल और लकड़ी के लट्ठों के गोदाम तबाह हो गये हैं। कुमाऊं अंचल के उत्तरी पहाड़ी क्षेत्रों

में अभी तक तकरीबन 868 हेक्टेयर क्षेत्र से ज्यादा के जंगल दावानल की भेंट चढ़ चुके हैं। पिथौरागढ़ क्षेत्र में 460 से ज्यादा आग लगने की घटनाएं हुई हैं। अप्रैल महीने ने तो इस बार जंगलों में आग लगने की घटनाओं का रिकार्ड तोड़ दिया है। इसमें अकूत वन संपदा और जैव विविधता का खात्मा हुआ है, जिसका अभी तक कोई स्पष्ट आंकड़ा मौजूद नहीं है। नैनीताल में सैकड़ों हेक्टेयर जंगल भीषण आग की भेंट चढ़ चुके हैं। आग अब भी जारी है। यहां बीते 15 दिनों में जंगलों में आग लगने की तकरीबन 36 घटनाएं हुई हैं। बेतालघाट में आग धधक रही है। जंगल की आग के चलते पर्यटकों की तादाद में काफी कमी आई है। वनकर्मी और स्थानीय लोग भी आग बुझाने में नाकाम साबित हो रहे हैं जो रिहायशी इलाकों की ओर बढ़ रही है। अल्मोड़ा में कई किलोमीटर दूर से ही धधकते जंगल देखे जा सकते हैं। कुमायूं अंचल में अल्मोड़ा जिला सबसे ज्यादा आग से प्रभावित है। इस काम में वन विभाग और स्थानीय प्रशासन जी जान से जुटा है लेकिन हकीकत यह है कि आग बुझाने में नाकामी ही हाथ लग रही है। बागेश्वर में जंगल की आग से पांच मकान स्वाह हो गये हैं। जानकारी के अनुसार, यहां आग लगने की 60 के करीब घटनाएं हुई हैं जिनमें करीब 2000 हेक्टेयर जंगल जल गये। बारिश ने पिछले दिनों कुछ राहत दी थी लेकिन उसके बाद बढ़ते तापमान और तेज हवाओं से स्थिति और भयावह हो गयी है। जंगल की आग से मिट्टी, पानी, वन उपज व जीव-जंतुओं समेत पूरे पारिस्थितिकीय तंत्र पर व्यापक असर पड़ता है। हमारी वननीति के चलते गांववासी-वनवासियों का वनों से जो रिश्ता था, वह अब खत्म हो गया है। सरकार द्वारा संचालित वन जागरूकता अभियान गांव, गांववासी और जंगलों में रहने-बसने वालों को जंगलों से जोड़ने में नाकाम साबित हुए। जंगल में सदियों से रहते आये आदिवासी, गैर-आदिवासी समुदाय ही वनों के सबसे कुशल प्रबंधनकर्ता व सकारात्मक पर्यावरण के निर्माणकर्ता भी हैं। आज हालत यह हैं कि जंगल में आग लगने पर पहले जो लोग बुझाने दौड़ पड़ते थे, अब यह काम सरकार का है, कहकर चले जाते हैं। फिर हजारों वनरक्षकों की कमी है। जाहिर है लाखों हेक्टेयर में फैले जंगल की रखवाली कुछ वनरक्षकों से कैसे संभव है।

सामंजस्य व संरक्षण से आयेगी समृद्धि

सुरेश सेठ

आजादी के क्रम में शतकीय उत्सव मनाने की तैयारी लिए अगले पच्चीस बरसों में भारत बदलती हुई दुनिया के साथ कदम मिलाकर चलने के साथ अपने अतीत की विशद ज्ञान की गरिमा में जो उत्तम है उसे शिरोधार्य कर अपने देश का चेहरा संवार लेना चाहता है इसीलिए तो इस माह अपनी 'मन की बात' में प्रधानमंत्री ने जहां देश के डिजिटल हो जाने की कामना की है, वहीं उसकी नयी पौध को वैदिक गणित अंगीकार कर लेने का पाठ भी पढ़ाया है। अर्थ यही है कि जहां जो सही है, चाहे वह पूरे विश्व में हो या हमारे सांस्कृतिक युग के ज्ञान में, उसे खुले मन से स्वीकार करें। निश्चय ही मन खुला हो, उसमें राजनैतिक कट्टरता की दीवारें खड़ी न हों, जो सामंजस्य के स्थान पर वैमनस्य और जाति-धर्म के कठघरों को जन्म न दे, इसका ध्यान रखना ही होगा।

अब देश की एकता और अखंडता को बनाये रखने के संदेश भी दिये जाने लगे हैं। पीएम मोदी ने देश के नौकरशाहों के सम्मेलन में इसे सर्वोपरि बताया, और मोहन भागवत ने तो अखंड भारत की पुरातन गरिमा की पुनर्स्थापना का सपना भी समस्त देशवासियों को दिखा दिया। परन्तु इस दिशा में यह ध्यान रखना होगा कि भारत की गंगा-जमुनी तहजीब और 'मानुस की जात सब एक ही पहचानो बो' के अमर संदेश को न भूला जाये। विकास और परिवर्तन का जो 'बुलडोजर' चले उस पर एकपक्षीय राजनीति के आक्षेप न लगें। बदलने के लिए भारत को उत्सवधर्मी होने से पहले क्रांतिधर्मी होना होगा। इस संदर्भ में अवांछित तत्वों व कुरीतियों का सफाया तो होगा ही लेकिन इससे चोट खाये हुए लोग कट्टरवाद और धार्मिक संकीर्णता के अंधेरों में गुम करने की कोशिश न करें। सभी धर्मों के लिए एक ही कानून बना देने का उपक्रम इस साल जारी हो सकता है। इसके लिए पचहत्तर हजार सुझाव लेकर समान नागरिक संहिता का ब्लूप्रिंट तैयार किया जा रहा है लेकिन यह समझना कि यह मसौदा अलग-अलग धर्म के ठेकेदारों के वर्चस्व से टकरायेगा नहीं, यथार्थवादी नहीं है। लेकिन इस कारण तर्कपूर्ण बदलाव के कदम तो रोके नहीं जा सकते? समाधान एक ही है- जनजागरण और लोगों की बहुसंख्या में इसके औचित्य की समझ पैदा कर देना। निश्चय ही यह रास्ता लम्बा है, लेकिन परिवर्तन की मंजिल रास्ते पर पहला कदम उठाने से ही तो मिलती है। परन्तु यह कदम पूर्वाग्रह मुक्त हो और अपने किसी क्षुद्र राजनैतिक हितसाधन के लिए नहीं उठाया जाये। जब इसकी विश्वसनीयता सार्वजनिक हो जायेगी, तो रास्ते के पत्थर अवरोध बनने का हौसला नहीं कर सकेंगे। हमारा हर नया कदम परिवर्तन के लिए प्रतिबद्ध देश के कर्णधारों की खुली सोच की मांग करता है और जो कुछ इन बरसों में राजनैतिक, आर्थिक और सामाजिक सफलता के लिए शार्टकट के तौर पर इस्तेमाल किया जाता रहा, उससे छुटकारा तो पाना ही पड़ेगा। अगर विशेष वोटर वर्ग को तुष्ट करने के लिए तीन सौ यूनिट बिजली (पंजाब) से लेकर डेढ़ सौ यूनिट (हिमाचल) तक की घोषणा होती है, तो इस पर किन्तु-परन्तु तो होगा ही। यह बात भी लोगों की समझ नहीं आयेगी कि अपनी धरा पर तेल के कुएं खोज लेने के बावजूद हम आज भी अपनी जरूरत के पेट्रोलियम उत्पाद और प्राकृतिक गैस का पच्चासी प्रतिशत विदेशों से आयात करने के लिए बाध्य क्यों हैं? देश में पेट्रोलियम पदार्थों का उत्पादन बढ़ाने और नये तेल स्रोत खोजने के लक्ष्य के साथ भारत में ऑयल और नैचुरल गैस कमीशन की स्थापना किये बरसों बीत गये। बताते हैं कि हिमाचल में ज्वालामुखी के पास तेल के भंडार हैं, लेकिन हम नहीं खोज पाये। इस बरस पेट्रोलियम उत्पादन के जिम्मेदार इस कमीशन के नये आंकड़े आये हैं। तेल महंगा हो जाने के कारण इसकी कुल आय तो बढ़ गयी लेकिन इसके कुल उत्पादन में पन्द्रह प्रतिशत की कमी क्यों हो गयी? दोष कहां है? क्या समस्याओं के समाधान के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की कमी के कारण अथवा हमारी दक्षता, निपुणता और प्रशिक्षण में ही कुछ कमी है? दीर्घकालीन कदमों के साथ देश का स्थायी विकास जरूरी है, लेकिन इस युवा देश में हर बरस अपने लिये काम मांगते अतिरिक्त हाथों को केवल मनरेगा या निजी क्षेत्र द्वारा आयोजित रोजगार मेलों से बहलाया नहीं जा सकता? भुखमरी न फैले इसका तात्कालिक समाधान राहत घोषणायें अथवा देश के अस्सी करोड़ लोगों को रियायती दरों पर गेहूं बांटना हो सकता है, लेकिन स्थायी समाधान तो खेत-खलिहानों से लेकर छोटे-बड़े उद्योगों के विकास में उनके लिए रोजगार की बढ़ती हुई संभावना पैदा करने से होगा।

बदलाव के नाम पर नेहरू काल से चलती मिश्रित अर्थव्यवस्था और योजनाबद्ध आर्थिक समाजवाद को धता बता दिया गया। उसके स्थान पर तेज विकास का लक्ष्य रख कर निजी-सार्वजनिक भागीदारी का लक्ष्य अपना लिया गया है लेकिन इसके कारण निजी क्षेत्र की लाभ भावना सार्वजनिक क्षेत्र की कल्याण भावना पर हावी क्यों हो गयी? ऐसे माहौल में जब हम देश का कायाकल्प अधुनातन और प्राचीन के सामंजस्य में तलाशने निकले हैं तो भारी-भरकम स्वाचालित मशीनों के निजी निवेश के साथ कल्याण वाले सरकारी निवेश का संतुलन भी बनाये रखें। इस देश में बहुतायत छोटे-छोटे अल्प आय के बल पर जीने वाले लोगों की है। उनके लिए लघु और कुटीर उद्योगों के रास्ते का आरक्षण बना रहे, तभी स्वदेशी उद्योगों की वह धारणा सफल होगी, जिसमें स्थानीय लोगों की दस्तकारी अपनी मौलिकता से देश-विदेश की मंडियों में संवाद रचती है, अपनी मौलिक छाप छोड़ती है।

गर्मियों में लू और डायबिटीज से बचाता है
आम पन्ना

आम पन्ना गर्मियों के सबसे पसंदीदा पेय में से एक है। हम में से कई लोगों ने अपना पूरा बचपन गर्मियों की छुट्टियों में इस स्वादिष्ट पेय का आनंद लेते हुए बिताया होगा। आम पन्ना न सिर्फ हमें चिलचिलाती गर्मी से बचाता है बल्कि ये गर्मियों में हमारे लिए एनर्जेटिक ड्रिंक की तरह काम करता है। जो लोग नहीं जानते उन्हें बता दें कि आम पन्ना को कच्चे आम का उपयोग करके तैयार किया जाता है। इसलिए इसे कैरी पन्ना भी कहा जाता है। गर्मियों में पारंपरिक रूप से इस पेय का आनंद लिया जाता है क्योंकि यह गर्मियों को मात देने में मदद करता है। यहां हम आपको बता रहे हैं कि इस गर्मी में आपको इस ड्रिंक का सेवन क्यों करना चाहिए।

शरीर को रखता है हाइड्रेट

आम पन्ना आपके शरीर को हाइड्रेट रखता है भीषण गर्मी के दौरान, हमें खुद को हाइड्रेटेड रखने की जरूरत है और एक गिलास आम पन्ना से बेहतर कुछ नहीं है। यह शरीर में इलेक्ट्रोलाइट संतुलन को बनाए रखने के साथ-साथ शरीर को हाइड्रेट करने में मदद करता है। गर्मी के दिनों में जैसे ही आप धूप में बाहर निकलते हैं, आपके शरीर में आयरन की कमी होने लगती है। हालांकि, एक गिलास आम पन्ना पीने से आयरन की कमी नहीं होती है।

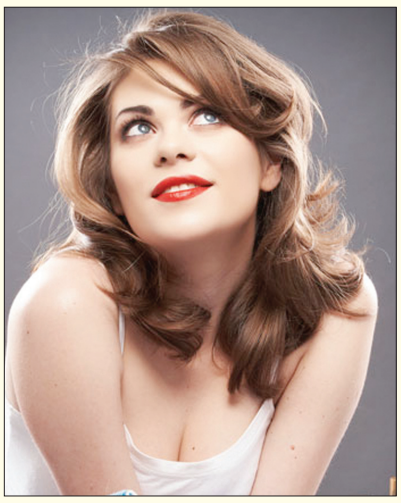

तनाव से रखे दूर

इसमें मौजूद विटामिन बी6 के साथ आम पन्ना आपके हार्मोन के लिए एक हेल्दी ड्रिंक बनाता है। यह आपके दिमाग और शरीर को आराम देता है। इस ड्रिंक में मौजूद ग्लूटामाइन एसिड मानसिक रूप से काफी हल्का महसूस करने में मदद करता है और आपकी दिमागी शक्ति को बढ़ाने में मदद करता है।

कैसे बनाते हैं आम पन्ना

आवश्यक सामग्री 2 कच्चे आम 2 कप पानी (आम पकाने के लिए) 1.5 कप चीनी या गुड़ 1 छोटा चम्मच भुना जीरा पाउडर 1/4 छोटा चम्मच काली मिर्च पाउडर 2 चम्मच काला नमक ठंडा पानी पुदीने के पत्ते विधि एक प्रेशर कुकर में आम और पानी डालें। 2 सीटी के लिए प्रेशर कुक करें। आम को ठंडा होने पर ढक्कन हटा कर छील लीजिये। आम के गूदे को एक बाउल में निकाल लें। चीनी डालें और अच्छी तरह मिलाएँ जीरा पाउडर, काली मिर्च पाउडर और काला नमक डालें। अच्छी तरह से मिलाएं। आप एक ब्लेंडर का भी उपयोग कर सकते हैं। इस आम पन्ना को एक कांच के कंटेनर में डालें। एक गिलास में 4-5 टेबल स्पून आम पन्ना का कंसन्ट्रेट लें। इसमें ठंडा पानी डालें और अच्छी तरह मिलाकर इस खट्टे-मीठे ड्रिंक का मजा लें।

पाचन करता है नियंत्रित

आम से तैयार किया गया आम पन्ना पाचन तंत्र के लिए अच्छा होता है। यह पेक्टिन से भरपूर होता है जो पाचन को नियंत्रित करने में मदद करता है। यह कब्ज, दस्त और कब्ज जैसे पाचन विकारों को ठीक करता है।

कैंसर से बचाए

कच्चे आम में भरपूर मात्रा में विटामिन सी मौजूद होता है जो शरीर में एंटीऑक्सीडेंट का निर्माण करता है। ये एंटीऑक्सिडेंट आगे चलकर विभिन्न प्रकार के कैंसर जैसे त्वचा कैंसर, स्तन कैंसर आदि के विकास को रोकते हैं।

मधुमेह को नियंत्रित करता है

कच्चा आम शरीर के ग्लाइसेमिक लोड को कम करने में मदद करता है। हालांकि यह तभी संभव है जब आपके पेय में चीनी नहीं मिलाई गई हो। बिना चीनी मिलाए कम मात्रा में आम पन्ना पीने से शरीर के रक्त शर्करा के स्तर को कम करने में मदद मिल सकती है।

हंसना मना है

रवि केले खरीदने गया। रवि: एक केला कितने का है भाई ? दुकानवाला: दस रुपये का है। रवि: चार रुपये में दे दो। दुकानवाला: चार रुपये में छिल्का दूंगा। रवि: ये ले छह रुपये सिर्फ केला दो, छिल्का तू रख ले...

70 साल की एक बुजुर्ग महिला ने अदालत में तलाक के लिए अर्जी लगाई,जज ने बुजुर्ग महिला से पूछा: इस उम्र में तलाक क्यों लेना चाहती हैं आप? महिला: जज साहब, मेरे पति मुझ पर मानसिक अत्याचार कर रहे हैं। जज: वो कैसे? महिला: इनकी जब मर्जी होती है, मुझे खरी-खोटी सुना देते हैं और जब मैं बोलना शुरू करती हूं तो अपने कान की मशीन निकाल देते हैं...

मरीज: डॉक्टर साहब, क्या आपको यकीन है कि मुझे मलेरिया ही है? दरअसल, मैंने एक मरीज के बारे में पढ़ा था कि डॉक्टर उसका मलेरिया का इलाज करते रहे... अंत में जब वह मरा तो पता चला कि उसे टायफाइड था। डॉक्टर: चिन्ता मत करो, हमारे अस्पताल में ऐसा कभी नहीं होता। हम अगर किसी का मलेरिया का इलाज करते हैं तो वह मलेरिया से ही मरता है !

डॉक्टर: तुमने आने में देर कर दी। राजू: क्या हुआ डॉक्टर साहब, कितना वक्त बचा है मेरे पास? डॉक्टर: मर नहीं रहे हो, 6 बजे का अपॉइंटमेंट था 7 बजे आए हो....

कहानी | महात्माजी की बिल्ली

एक बार एक महात्माजी अपने कुछ शिष्यों के साथ जंगल में आश्रम बनाकर रहते थे। एक दिन कहीं से एक बिल्ली का बच्चा रास्ता भटककर आश्रम में आ गया। महात्माजी ने उस भूखे प्यासे बिल्ली के बच्चे को दूध-रोटी खिलाया। वह बच्चा वहीं आश्रम में रहकर पलने लगा, लेकिन उसके आने के बाद महात्माजी को एक समस्या उत्पन्न हो गयी कि जब वे सायं ध्यान में बैठते तो वह बच्चा कभी उनकी गोद में चढ़ जाता, कभी कन्धे या सिर पर बैठ जाता। तो महात्माजी ने अपने एक शिष्य को बुलाकर कहा देखो मैं जब सायं ध्यान पर बैठू, उससे पूर्व तुम इस बच्चे को दूर एक पेड़ से बांध आया करो। अब तो यह नियम हो गया, महात्माजी के ध्यान पर बैठने से पूर्व वह बिल्ली का बच्चा पेड़ से बांधा जाने लगा। एक दिन महात्माजी की मृत्यु हो गयी तो उनका एक प्रिय काबिल शिष्य उनकी गद्दी पर बैठा । वह भी जब ध्यान पर बैठता तो उससे पूर्व बिल्ली का बच्चा पेड़ पर बाँधा जाता । फिर एक दिन तो अनर्थ हो गया, बहुत बड़ी समस्या आ खड़ी हुयी कि बिल्ली ही खत्म हो गयी। सारे शिष्यों की मीटिंग हुयी, सबने विचार विमर्श किया कि बड़े महात्माजी जब तक बिल्ली पेड़ से न बाँधी जाये, तब तक ध्यान पर नहीं बैठते थे। अत: पास के गांवों से कहीं से भी एक बिल्ली लायी जाये। आखिरकार काफी ढूढ़ने के बाद एक बिल्ली मिली, जिसे पेड़ पर बाँधने के बाद महात्माजी ध्यान पर बैठे। विश्वास मानें, उसके बाद जाने कितनी बिल्लियाँ मर चुकी और न जाने कितने महात्माजी मर चुके। लेकिन आज भी जब तक पेड़ पर बिल्ली न बाँधी जाये, तब तक महात्माजी ध्यान पर नहीं बैठते हैं। कभी उनसे पूछो तो कहते हैं यह तो परम्परा है। हमारे पुराने सारे गुरुजी करते रहे, वे सब गलत तो नहीं हो सकते। कुछ भी हो जाये हम अपनी परम्परा नहीं छोड़ सकते। यह तो हुयी उन महात्माजी और उनके शिष्यों की बात। पर कहीं न कहीं हम सबने भी एक नहीं; अनेकों ऐसी बिल्लियां पाल रखी हैं । कभी गौर किया है इन बिल्लियों पर? सैकड़ों वर्षों से हम सब ऐसे ही और कुछ अनजाने तथा कुछ चन्द स्वार्थी तत्वों द्वारा निर्मित परम्पराओं के जाल में जकड़े हुए हैं। जरुरत इस बात की है कि हम ऐसी परम्पराओं और अंधविश्वासों को अब और ना पनपने दें, और अगली बार ऐसी किसी चीज पर यकीन करने से पहले सोच लें की कहीं हम जाने अनजाने कोई अन्धविश्वास रुपी बिल्ली तो नहीं पाल रहे?

5 अंतर खोजें

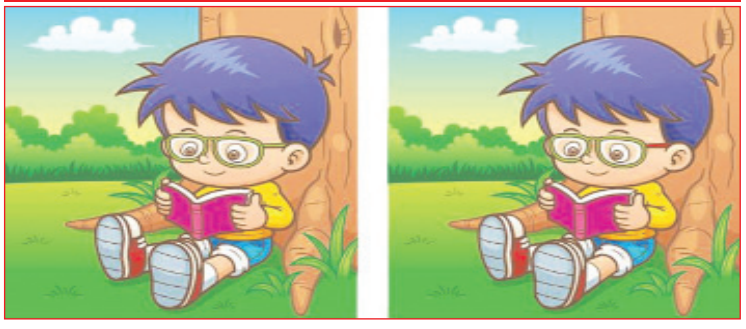

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

भले ही आप उत्साह से लबरेज हों, फिर भी आज आप किसी ऐसे की कमी महसूस करेंगे जो आज आपके साथ नहीं है। आपके खर्चों में बढ़ोत्तरी होगी, जो आपके लिए परेशानी का सबब साबित हो सकती है।

वृषभ

आज अपने विचारों और बोलने अंकुश रखना होगा। आय में सुधार होगा। आमोद-प्रमोद और मनोरंजक प्रवृत्तियां दिनभर चलती रहेंगी। कुछ भी हो अपने कार्यालय व सार्वजनिक स्थान पर झगड़ा करने से बचें।

मिथुन

नई डील से परिवार में खुशी का माहौल होगा। अपने सब विचारों को एक साथ रखकर सोचें, इससे जो निष्कर्ष निकलेगा, उससे आपको स्थितियों से निपटने में काफी मदद मिलेगी।

कर्क

मनोरंजन और सौन्दर्य में इशारे पर जरुरत से ज्यादा वक्त न खर्च करें। एरक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केंद्र होंगे। आपकी ऊर्जा का स्तर ऊँचा रहेगा।

सिंह

आज आप आलस्य व थकान का अनुभव करेंगे। बेकार की बातें करने से परहेज करें और अपने रिश्तों को और अधिक मजबूत बनाने की कोशिश करें। आपके किसी प्रियजन का मूड खराब भी हो सकता है।

कन्या

आज आपकी कंपनी की किसी मल्टीनेशनल कंपनी से डील फाइनल हो सकती है। इस राशि के जो स्टूडेंट्स खेलकूद में इंटरेस्ट रखते है आज का दिन उनके लिए अच्छा है।

तुला

कोई बड़ी योजनाओं और विचारों के जरिए आपका ध्यान आकर्षित कर सकता है। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में भली-भांति जाँच-पड़ताल कर लें।

वृश्चिक

नए कार्य प्रारंभ करने के लिए आज का दिन आपके लिए शुभ है। आप कार्यक्षेत्र में लगातार प्रगति करेंगे। लंबे समय से चली आ रही दु:ख तकलीफों से छुटकारा मिलेगा। प्रेम संबंध में मधुरता बनी रहेगी।

धनु

आज कोई भी फैसला सोच-विचार से ही लें। किसी ओर के द्वारा लिया गया निर्णय आपके लिए नुकसानदेह हो सकता है। पारिवारिक सम्बन्धी परेशानियां आज खुद-ब- खुद दूर हो जाएंगी।

मकर

आपको आज महत्वपूर्ण निर्णय लेने होंगे, जिसके चलते आपको तनाव और बेचैनी का सामना करना पड़ सकता है। बोलते समय और वित्तीय लेन-देन करते समय सावधानी बरतने की जरूरत है।

कुम्भ

व्यवसाय में पदोन्नति के योग है। वैवाहिक जीवन में दिनों-दिन प्यार बढ़ता जाएगा। पैसा खर्च करने से ज्यादा इस बात पर ध्यान दें कि आप अपनी रचनात्मकता से किस तरह अपने घर को खूबसूरत बना सकते हैं।

मीन

आज आपके सोचे हुए कार्य आसानी से पूरे हो जाएंगे। जिससे मन खुशनुमा रहेगा। आज आपका मन किताबें पढ़ने का करेगा। इस राशि के लोग आज किसी जरूरतमंद की मदद कर सकते है।

बॉलीवुड | मन की बात

अंजलि अरोड़ा ने 11वीं क्लास में की थी सुसाइड की कोशिश

विवादित रियलिटी शो लॉक अप अपने फिनाले की ओर बढ़ रहा है। ऐसे में शो के अंदर मौजूद कंटेस्टेंट्स के बीच भी मुकाबला कड़ा होता जा रहा है। वहीं रविवार को लॉक अप के अंदर जजमेंट डे एपिसोड होता है। इस एपिसोड में शो की होस्ट कंगना रनोट सभी कंटेस्टेंट्स से रूबरू होती हैं और उनके बारे सीक्रेट खुलवाने का काम करती रहती हैं। अब तक कंगना रनोट की इस अत्याचारी जेल में कई कंटेस्टेस्टेंट हैरान कर देने वाले खुलासे कर चुके हैं। अब अंजलि अरोड़ा ने एक बार फिर से अपने बारे में चौंकाने वाला खुलासा किया है। लॉक अप में अंजलि अरोड़ा अपनी निजी जिंदगी को लेकर कई बार बोल चुकी हैं। अब उन्होंने खुलासा किया है कि जब वह 11वीं क्लास में थीं तो उन्होंने आत्महत्या करने की कोशिश की थी।अंजलि अरोड़ा ने बताया कि उन्होंने अपने भाई के साथ पढ़ाई की थी और उनका भाई उनके लिए काफी प्रोटैक्टिव रहता था। एक बार जब अंजलि अरोड़ा ग्यारहवीं क्लास में थी, तो उन्होंने एक बार अपने ट्यूशन का बंक मारा था और एक कैफे में हुक्का पी रही थीं, जहां अंजलि अरोड़ा के भाई के दोस्त ने उन्हें देखा और भाई को फोन किया। अंजलि ने आगे कहा कि उनका भाई मौके पर पहुंचा, सबके सामने उन्हें थप्पड़ मारा और घर ले गया। अंजलि ने बताया कि उनके भाई ने उनकी एक नहीं सुनी और पिता को सब कुछ बता दिया। पिता ने उन्हें डांटा और कहा कि अगले दिन से अंजलि को बाहर नहीं जाने दिया जाएगा और उसकी पढ़ाई बंद कर दी जाएगी।

बॉलीवुड | मसाला

प्रियंका चोपड़ा की तस्वीरों पर लट्टू हुए निक जोनस, बोले इतनी हॉट क्यों हो?

बॉलीवुड से हॉलीवुड तक धाक जमा चुकी प्रियंका चोपड़ा जबरदस्त सुर्खियों में रहती हैं। कभी अपने ग्लोबल प्रोजेक्ट्स को लेकर तो कभी सरोगेसी के जरिये मां बनने को लेकर। अपनी बेटी के जन्म के बाद से प्रियंका सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और आए दिन कुछ ना कुछ पोस्ट करती रहती हैं। हाल ही में प्रियंका ने अपनी कुछ बेहद ग्लैमरस तस्वीरें साझा की हैं जिन्हें देख उनके पति निक जोनस भी दिल हार बैठे हैं।

प्रियंका का दिलकश अंदाज

दरअसल, प्रियंका चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ खूबसूरत फोटोज शेयर की हैं जिनमें वो गोल्फ कोर्स में मस्ती करती नजर आ रही हैं। कभी मिनी स्कर्ट और टॉप तो कभी पूल किनारे बिकिनी में, प्रियंका का हर अंदाज सोशल मीडिया पर आग की तरह वायरल हो रहा है।

निक जोनस हुए लट्टू

फैंस के साथ-साथ सिलेब्रिटीज भी प्रियंका की इन तस्वीरों पर कमेंट करने से खुद को नहीं रोक पाए और उन्होंने लिखा, तुम इतनी हॉट क्यों हो? इससे पहले भी निक प्रियंका की कई तस्वीरों पर ऐसे प्यार भरे रिएक्शन दे चुके हैं। प्रियंका और निक का ये अंदाज हमेशा ही फैंस को बेहद पसंद आता है और उनकी जोड़ी पर खूब प्यार बरसाते हैं। इन दिनों प्रियंका अपनी बेटी के साथ मदरहुड एंजॉय कर रही हैं। अपनी बेटी की परवरिश को लेकर प्रियंका यह साफ कर चुकी हैं कि वो कभी भी अपने बच्चे पर अपनी इच्छाएं और डर नहीं थोपेंगी। बता दें, प्रियंका ने अपनी बेटी का नाम मालती मैरी रखा है, जो खूब चर्चा में रहा था।

ये रिश्ता क्या कहलाता में वापसी करने वाली हैं शिवांगी जोशी

शिवांगी जोशी छोटे पर्दे की सबसे पॉपुलर बहुओं में से एक है। ये रिश्ता क्या कहलाता में नायरा के किरदार से उन्हें देश के करोड़ों दिलों में अपने लिए खास जगह बनाई। शो छोड़ने के बाद आज भी दर्शक शो में उनका पलके बिछाए इंतजार कर रहे हैं। हालांकि कि सीरियल में एक लंबा लीप दिखा दिया गया है और अब इस प्लॉट में शिवांगी का रोल फिट नहीं बैठता। तो वहीं एक्ट्रेस दूसरे कलर्स के शो बालिका वधू 2 में नजर आईं। शो के दर्शकों का ज्यादा प्यार नहीं मिल पाया और खराब टीआरपी के चलते इसे बंद कर दिया गया। कुल मिलाकर शिवांगी फिलहाल फ्री हैं और हाल ही में उन्होंने ऐसी तस्वीर शेयर की जिसे देख कयास लगाए जा रहे हैं कि ये रिश्ता क्या कहलाता है में शिवांगी की वापसी होने वाली है। शिवांगी जोशी ने सोशल मीडिया पर अपनी एक फोटो शेयर की है जिसमें वह ट्रेडिशनल ड्रेस में बेहद ही खूबसूरत नजर आ रही हैं। इसमें एक्ट्रेस ने सफेद और गोल्डन कलर की साड़ी पहनी है। इस लुक को कंप्लीट करने के लिए उन्होंने न्यूड मेकअप और स्टाइलिश हेयरस्टाइल रखा है। तस्वीर को शेयर करते हुए शिवांगी जोशी ने कैप्शन में लिखा है, सीधे तौर से मेरे दिल और मेरी आत्मा से...कुछ नया आ रहा है...। तस्वीर के साथ ऐसे कैप्शन को पढ़कर लोग खुश हो गए हैं। उन्हें लग रहा है कि शिवांगी जल्द ही ये रिश्ता क्या कहलाता है में वापसी करने वाली हैं। बता दें कि कुछ दिनों पहले भी ऐसी ही खबरें आईं थीं शिवांगी जोशी अपने फेवरेट नायरा के रोल में लौटने वाली हैं। फैंस एक्ट्रेस की इस तस्वीर पर काफी प्यार लुटा रहे हैं। शिवांगी जोशी की इस नई फोटो को चार लाख से भी ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं। यही नहीं शिवांगी के पास दो और सीरियल है, वे जल्द ही उनकी शूटिंग भी शुरू करने वाली है।

अजब-गजब | जानिए क्यों नहीं लगता है रेल टिकट

इस ट्रेन में बिना टिकट यात्रा कर रहे लोग

भारतीय रेलवे दुनिया का चौथा और एशिया का दूसरा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है। भारत में रेलवे स्टेशन की कुल संख्या 8000 के करीब है। ज्यादा लोग रेल से यात्रा करना पसंद करते हैं, क्योंकि यह सस्ती और आरामदायक है। ट्रेन में यात्रा के लिए लोगों को किराया देना पड़ता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारत में एक ऐसी ट्रेन है, जिसमें लोग बिना टिकट यात्रा करते हैं। इस पर आपको यकीन नहीं हो रहा होगा? आप ही नहीं जो भी पहली बार यह सुनता है उसको विश्वास नहीं होता है, लेकिन यह बिल्कुल सच है।भाखड़ा-नागल बांध देखने वालों के लिए यह ट्रेन चलाई जाती है। आज हम आपको इस ट्रेन के बारे में बताते हैं और इसमें किराया क्यों नहीं लगता है। इस ट्रेन को नागल और भाखड़ा के बीच चलाया जाता है जो हिमाचल प्रदेश और पंजाब की सीमा पर चलती है। आइए जानते हैं इस खास ट्रेन के बारे में..

भाखड़ा नागल बांध देखने के लिए जो लोग जाते हैं वह इस ट्रेन से फ्री में यात्रा कर सकते हैं। इस ट्रेन की खासियत यह है कि इसमें कोच लकड़ी के बने हुए हैं जिसमें कोई टीटी नहीं रहता है। यह ट्रेन डीजल से चलती है और हर दिन 50 लीटर तेल खर्च होता है। भारत की इस खास ट्रेन में पहले 10 कोच होते थे, लेकिन इसमें अब सिर्फ तीन बोगियां होती हैं। इसमें एक कोच पर्यटकों के लिए और एक कोच महिलाओं के लिए रिजर्व होता है। इस ट्रेन में लोगों को मुफ्त में यात्रा कराने का एक मकसद है। ट्रेन से मुफ्त में यात्रा इसलिए कराई जाती है कि लोग भाखड़ा नागल बांध को देख सकें। आज की पीढ़ी के लोग इस डैम को देखकर यह समझ सकें कि इसको बनाने के लिए कितनी परेशानियां आई होंगी। इस ट्रेन का संचालन भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड की तरफ से किया जाता है। ट्रेन को चलाने के लिए पहाड़ों को काटकर ट्रैक बिछाया गया था। इस ट्रेन का संचालन भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड की तरफ से किया जाता है। ट्रेन को चलाने के लिए पहाड़ों को काटकर ट्रैक बिछाया गया था। इस ट्रेन की शुरुआत आज से करीब 73 साल पहले 1949 में की गई थी। इस ट्रेन से 25 गांवों के लगभग 300 लोग हर दिन फ्री में यात्रा करते हैं। स्कूल-कॉलेज में पढ़ने वाले छात्रों को इस ट्रेन से सबसे अधिक फायदा होता है। इस ट्रेन से भाखड़ा के आसपास के गांवों के लोग यात्रा करते हैं। अगर आप भी भाखड़ नांगल बांध देखना चाहते हैं, तो इस ट्रेन से मुफ्त में यात्रा करत सकते हैं।

दुनिया की सबसे बड़ी व्हिस्की बॉटल होने वाली है नीलाम, हाइट और कीमत जानकर उड़ जाएंगे होश

शराब प्रेमी कोशिश करते हैं कि हमेशा बेहतर क्वॉलिटी की शराब पिएं जिससे उनका पीने का अनुभव बेहतर होता जाए। व्हिस्की के मामले में लोग खास खयाल रखते हैं। ऐसे में अब व्हिस्की प्रेमियों के लिए एक बड़ी खबर है जो उन्हें खुश भी कर सकती है। दुनिया की सबसे बड़ी व्हिस्की की बोतल नीलाम होने वाली है। इस बोतल की हाइट जानकर लोग हैरान हो जाएंगे। स्कॉच व्हिस्की की दुनिया में सबसे बड़ी बोतल 25 मई को नीलाम होने वाली है। इस बोतल में 32 साल पुरानी 311 लीटर मैकालन व्हिस्की है। बोतल का नाम है द इंट्रेपिड है और इसका कद कई इंसानों से भी लंबा है। अब जिस बोतल में 311 लीटर तक शराब आ जाए, उसका कद तो लंबा होगा ही। चलिए आपको बताते हैं कि द इंट्रेपिड की हाइट कितनी है। शराब की ये बोतल 5 फीट 11 इंच लंबी है। इसमें इसी व्हिसकी की 444 स्टैंडर्ड बोतलों, जितनी शराब फिट हो जाएगी। इस बोतल को स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग में स्थित नीलामी करने वाली कंपनी लियॉन और टर्नबुल नीलाम करेगी। वेल्स ऑनलाइन की रिपोर्ट के अनुसार ये बोतल दुनिया की सबसे महंगी बिकने वाली व्हिस्की की बोतल बन सकती है। माना जा रहा है कि ये बोतल 14 करोड़ रुपये से ज्यादा की बिक सकती है। कंपनी ने तय किया है कि अगर 9 करोड़ रुपये से ज्यादा कोई भी अमाउट जमा होता है तो उसे चैरिटी में दान दे दिया जाएगा। कंपनी ने कहा है कि बोतल को लेकर पूरी दुनिया के लोगों में क्रेज होगा। क्योंकि कई लोगों में महंगी व्हिस्की खरीदने का क्रेज रहता है। उन्होंने कहा कि खरीदारों के पास मौका है कि वो स्कॉच व्हिस्की के इतिहास को टटोल सकें, और 32 साल पुरानी सिंगल मॉल्ट स्कॉच के मालिक बन सकें। आपको बता दें कि अभी तक दुनिया की सबसे महंगी बिकी व्हिस्की का दाम 14 करोड़ रुपये था, जो 1926 में बनी बोतल थी। कंपनी का मानना है कि ये बोतल उसका भी रिकॉर्ड तोड़ेगी।

ट्रक ने टूरिस्ट बस को मारी टक्कर दो श्रद्धालुओं की मौत, 12 घायल

» पचास सवारियों को लेकर बनारस जा रही थी बस चालक-परिचालक फरार

» घायलों को कराया गया भर्ती, पुलिस कर रही मामले की जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इटावा। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर आज तड़के ट्रक ने टूरिस्ट बस में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बस सवार दो तीर्थयात्रियों की मौत हो गई है जबकि 12 लोग घायल हो गए। बस में सवार यात्री कर्नाटक से तीर्थ यात्रा पर निकले थे और मथुरा-वृंदावन से वाराणसी काशी विश्वनाथ व अयोध्या दर्शन के लिए जा रहे थे। घटना के बाद ट्रक डिवाइडर पर चढ़ गया और चालक-परिचालक फरार हो गए हैं। पुलिस ने घायलों का उपचार शुरू कराया है।

थाना चौबिया क्षेत्र के अंतर्गत चैनल नंबर 113 पर आगरा से लखनऊ की तरफ कोल्हापुर-कर्नाटक की बस करीब 50 श्रद्धालुओं को लेकर बनारस जा रही थी। बस को सिद्धेश्वर ट्रांसपोर्ट का चालक महादेव चला रहा था। ग्राम अगूपुर-गोपालपुर के पास चालक ने थोड़ी देर बस को साइड में रोक दिया। इसी बीच पीछे से तेज रफ्तार आ रहे ट्रक ने पिछले हिस्से में टक्कर मार दी जिससे बस का पिछला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। ट्रक टक्कर मारने के बाद डिवाइडर पर चढ़ गया। घटना के बाद ट्रक के चालक-परिचालक फरार गए। बस में बैठे श्रद्धालुओं में अफरा-तफरी मच गई, जिनमें बिट्ठल मारुति सुतार व उनकी पत्नी सुलोचिना निवासी बुगाटी आलूर थाना संकेश्वर जिला बेहगाव कर्नाटक की मौत हो गई है। एक दर्जन लोग घायल हो गए। श्रद्धालुओं ने बताया कि वह देश में कई तीर्थ स्थानों के दर्शन करने के लिए निकले हैं। महाराष्ट्र के पुणे, मध्य प्रदेश के उज्जैन के बाद मथुरा होते हुए वह अयोध्या, बनारस जा रहे थे। जिस समय हादसा हुआ उस समय सभी लोग गहरी नींद में थे। थानाध्यक्ष अंकुश कुमार राघव व यूपीडा के सुरक्षा के अधिकारी राजेश प्रसाद पांडेय ने घायलों को एंबुलेंस की मदद से उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय भिजवाया।

कानपुर : प्राइवेट बस पलटी, नौ जख्मी

कानपुर। चौबेपुर से शिवली मार्ग पर दिलीप नगर गांव के पास आज सुबह बारातियों से भरी बस पलटने से चीख पुकार मच गई। हादसे में नौ बाराती जख्मी हो गए, जिसमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया है। जानकारी के मुताबिक चौबेपुर के निगोहा गांव निवासी जीतू कमल की बारात मंगलवार को कानपुर देहात के जलियापुर झींझक गई थी। शादी समारोह के बाद बाराती बस से वापस चौबेपुर जा रहे थे। आज सुबह गांव से कुछ दूर पहले दिलीपनगर मोड़ पर अचानक बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में बस सवार निगोहा निवासी प्रकाश व रामशंकर गंभीर रूप से घायल हो गए जबकि रवि, बबलू, सरजू, धरमराज, धर्मदास, नीरज व रामकृष्ण को भी चोटें आई है। बस चालक संजय मौके से फरार हो गया है।

शादी में जाने की जिद की तो विवाहिता को जला दिया जिंदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» पुलिस ने आरोपी पति को किया गिरफ्तार, देवर फरार

बरेली। फुफेरे भाई की शादी में जाने की जिद करने पर पति और देवर ने पिटाई करने के बाद विवाहिता की जलाकर हत्या कर ली। विवाहिता के भाई की ओर से रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने पति को गिरफ्तार कर लिया है।

शाहजहांपुर के थाना बंडा के सिसौरा सिरौरी गांव के संजीव कुमार के मुताबिक उनकी बहन सत्यवती की शादी 10 साल पहले नवाबगंज के चेना गांव में रहने वाले विनोद के साथ हुई थी। शादी के कुछ समय बाद ही ससुराल वालों ने उत्पीड़न शुरू कर दिया। सत्यवती ने फुफेरे भाई की शादी में जाने की जिद की तो पति विनोद और देवर संतोष ने उसकी पिटाई की। इसके बाद मिट्टी का तेल छिड़कर आग लगा दी, जिससे उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए बरेली भेजा है। सत्यवती के भाई संजीव की ओर से विनोद और संतोष के खिलाफ नवाबगंज थाने में हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई है।

हर्ष फायरिंग में दो की मौत दूल्हा समेत बाराती फरार

» मृतकों में दूल्हे का ताऊ और बहनोई शामिल, दो अन्य घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चित्रकूट। राजापुर क्षेत्र में बारात की अगवानी के समय हर्ष फायरिंग में दूल्हे के ताऊ और बहनोई की गोली लगने से मौत हो गई जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद दूल्हा समेत सभी बाराती फरार हैं। पुलिस ने दोनाली बंदूक समेत एक बराती को पकड़ लिया है, जबकि दूसरे फरार राइफल धारी व्यक्ति की तलाश की जा रही है।

एक बंदूकधारी बाराती गिरफ्तार, दूसरे की हो रही तलाश

रैपुरा थाना के महुलिया निवासी अभिमन यादव के बेटे शंकर की शादी नोनागर निवासी ढइया यादव की पुत्री बुधिया के साथ तय हुई थी। मंगलवार की शाम को महुलिया से बारात नोनागर पहुंची थी। रात करीब 11 बजे बरात की अगवानी के बाद द्वारचार की रस्म पूरी की जा रही थी। इस बीच बारातियों ने हर्ष फायरिंग शुरू कर दी और कई राउंड गोलियां चलाईं। हर्ष फायरिंग में दूल्हे के ताऊ 50 वर्षीय रामलखन निवासी महुलिया तथा बहनोई 28 वर्षीय रामकरन यादव के अलावा महुलिया निवासी रामफल व रामलाल गोली लग गई। दूल्हे के बहनोई ने मौके पर दम तोड़ दिया। राजापुर थाना प्रभारी अवधेश मिश्रा ने बताया कि दूल्हे के ताऊ समेत सभी घायलों को सीएचसी रामनगर पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने रामकरन को मृत घोषित कर दिया और प्राथमिक इलाज के बाद रामलखन को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर किया गया। जिला अस्पताल ले जाने पर डाक्टरों ने रामलखन को भी मृत घोषित कर दिया। अन्य दो घायलों को इलाज के बाद घर भेज दिया गया है। दोनों ही असलहा लाइसेंस धारक बरात में आए थे, जिसमें एक दूल्हे का फूफा बताया जा रहा है।

रिटायर जेई पर भ्रष्टाचार का आरोप सीएम से जांच की मांग

एडवोकेट चेतन गुप्ता ने जनसुनवाई पोर्टल में दर्ज कराई शिकायत

» सीबीआई और कैंट बोर्ड की जांच में भी मिली थी धांधली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कानपुर निवासी एडवोकेट चेतन गुप्ता ने पूर्व जेई पर पद का दुरुपयोग कर करोड़ों के भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। यह शिकायत मुख्यमंत्री के जनसुनवाई पोर्टल में दर्ज की गई है, शिकायत संख्या 40016422019235 है।

एडवोकेट चेतन गुप्ता ने दर्ज शिकायत में आरोप लगाया है कि कानपुर निवासी अखिलेश चंद पोरवाल कैंटोंमेंट बोर्ड कानपुर में 1994-2015 के बीच जेई के पद पर तैनात रहते हुए अपने पद और प्रभाव का दुरुपयोग किया और भ्रष्टाचार के जरिए जमकर कमाई की। 12 फरवरी, 2012 को सीईओ कैंट बोर्ड कानपुर पर छापेमारी के दौरान सीबीआई को कमीशन की हाथ से

लिखी पर्ची मिली थी, जिसमें अखिलेश चंद पोरवाल द्वारा तीन ठेकेदारों बीके एसोसिएट्स, जेसी ओबेरॉय और एक अन्य के माध्यम से प्राप्त रिश्वत और कमीशन के विवरण का उल्लेख किया गया था, जिसकी जांच की गई थी और उन्हें 2014-2015 में सीबीआई के आदेश से जबरन सेवानिवृत्त कर दिया गया था। उसके खिलाफ सीबीआई जांच भी शुरू की गई थी। जेई कैंट बोर्ड के रूप में पोरवाल ने 2006 में बाबूलाल बाजपेयी के स्वामित्व वाली कैंट कानपुर में बंगला संख्या 68 अपने पद और प्रभाव का दुरुपयोग कर बेचने की साजिश रची और प्लाटिंग कर कई लोगों को प्लॉट बेच दिया, जो नियम विरुद्ध था। कैंट बोर्ड द्वारा जांच के बाद बंगले को अपने कब्जे में ले लिया गया। इससे भूखंड मालिकों को भारी वित्तीय नुकसान हुआ। पोरवाल ने ऐसी तमाम बोगस कंपनियां बनाईं, जिनमें उनकी पत्नी प्रभा पोरवाल निदेशक हैं और अपने प्रभाव का उपयोग करके उन्होंने बहुत सारी सरकारी व गैर सरकारी जमीनें हासिल कर ली हैं, जिस पर वे वर्तमान में एक बिल्डर के रूप में काम कर रहे हैं। एसीपी हाउसिंग डेवलपमेंट एलएलपी वर्तमान में उनकी पत्नी और पवन गुप्ता के निर्देशन में है, जो भ्रष्टाचार का हिस्सा हैं। पवन गुप्ता कैंट बोर्ड (डीएन गुप्ता एंड कंपनी) के ठेकेदार हैं। पवन गुप्ता एसीपी डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड में प्रभा पोरवाल के साथ निदेशक थे। उन्होंने मुख्यमंत्री से इन तमाम तथ्यों का हवाला देते हुए पूर्व जेई के खिलाफ कार्रवाई कराने की मांग की है।

राजधानी में हर्षोल्लास से मनायी गयी ईद

फोटो: सुमित कुमार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ समेत देश भर में ईद का त्योहार हर्षोल्लास से मनाया गया। लखनऊ में ईद की नमाज प्रदेश की सबसे बड़ी ईदगाह ऐशबाग में हुई। लोगों ने देश में अमन व शांति के लिये विशेष दुआ की। इस मौके पर लोगों ने एक दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी।

लोगों ने एक-दूसरे को दी मुबारकबाद

मुख्तार के वकील ने जजों के लिए कहा अपशब्द, केस दर्ज

» पैमाइश करने पहुंची राजस्व विभाग की टीम को धमकाने का भी आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मऊ। बांदा जेल में बंद पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी के वकील दरोगा सिंह के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। अधिवक्ता पर आरोप है कि सरायलखंसी थाना क्षेत्र के ताजोपुर ग्रामसभा स्थित किन्नूपुर पुरवे गांव में जमीन की पैमाइश करने पहुंची राजस्व विभाग की टीम को मुख्तार के वकील ने न सिर्फ धमकाया बल्कि जजों के लिए भी अपशब्दों का इस्तेमाल किया। इसका वीडियो वायरल होने के बाद जिले के आला अधिकारियों ने संज्ञान लेते हुए उनके खिलाफ कई धाराओं में मुकदमा पंजीकृत करवाया है।

वायरल वीडियो गांव किन्नूपुर का बताया जा रहा है।, जहां अवैध कब्जे की शिकायत के बाद राजस्व विभाग की टीम पैमाइश के लिए पहुंची थी। जब टीमें जमीनों को नाप कर रही थी तभी दरोगा सिंह ने सरकारी राजस्व कर्मियों को धमकाते हुए जजों के लिए अपशब्द कहे। कानूनगो राजेश सिंह की तहरीर पर पुलिस ने वकील दरोगा सिंह के खिलाफ संबंधित मामले में केस दर्ज कर लिया है।

कोविड को देखते हुए नहीं बढ़ेगा हाउस टैक्स : मेयर

» हाउस टैक्स की दरें बढ़ाने का प्रस्ताव खारिज

» कोरोना काल से प्रभावित जनता और व्यापारियों को मिली राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी के लोगों को आज एक बड़ी खुशखबरी मिली। इस साल शहरवासियों पर नए कर का कोई बोझ नहीं बढ़ेगा। नगर निगम कार्यकारिणी ने हाउस टैक्स की दरें बढ़ाने का प्रस्ताव खारिज कर दिया है। यह सब संभव हुआ महापौर संयुक्ता भाटिया के प्रयासों से। लखनऊ नगर निगम का बजट बुधवार को पास किया गया, राहत की बात यह रही कि कोई कर नहीं बढ़ाया गया. नगर निगम बजट में सामान्य और कमर्शियल गृहकर भी रिवाइज नहीं होगा।

महापौर संयुक्ता भाटिया ने कोरोना काल से प्रभावित जनता और व्यापारियों को कर ना बढ़ा कर बड़ी राहत दी है। बता दें कि लखनऊ नगर निगम में करीब ढ़ाई लाख मकान शामिल हो रहे है। जानकारी के मुताबिक यहां से करीब 50 करोड़ रुपए से ज्यादा का राजस्व नगर निगम को मिलता है। इसमें कई कॉलेज से लेकर अस्पताल, होटल और बड़े शोरूम मालिक शामिल है। बता दें कि पिछले साल शासन की तरफ से यह फैसला लिया गया था कि नगर निगम और पालिका की सीमा में शामिल नए भवनों को एक साल का हाउस टैक्स नहीं देना होगा। लखनऊ में करीब ढ़ाई लाख और प्रदेश में सात लाख भवन मालिकों को इससे राहत मिली थी। उधर, नगर निगम कार्यकारिणी के चुनाव में फैजुल्लागंज चतुर्थ वार्ड से पार्षद प्रदीप शुक्ला सर्वसम्मति से

नगर निगम कार्यकारिणी के उपाध्यक्ष चुने गए। पार्षद श्रवण नायक ने प्रदीप शुक्ला के नाम का प्रस्ताव रखा। इस पर समस्त भाजपा पार्षदों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव का समर्थन किया। इस चुनाव में सपा ने कोई उम्मीदवार नहीं उतारा था।

बिजली व्यवस्था पर अब जली सरकार की बत्ती : अखिलेश

» सपा प्रमुख का योगी सरकार पर तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर बिजली विभाग में सुधार करने की बात पर ट्वीट कर तंज कसा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में पांच साल सरकार चलाने के बाद अब सरकार के दिमाग की बत्ती जली कि बिजली विभाग में व्यापक सुधार की जरूरत है। बिजली विभाग के निजीकरण पर उतारू सरकार ये बताए कि जब उनके हाथ में नियंत्रण ही नहीं होगा तो सुधार लागू कैसे होंगे। भ्रष्टाचार से साठगांठ का अंत ही हर सुधार का मूल है।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि 5 साल सरकार चलाने के बाद अब सरकार के दिमाग की बत्ती जली है। उन्होंने निजीकरण का आरोप लगाते हुए यह भी कहा कि भ्रष्टाचार से सांठगांठ के अंत से ही सुधार संभव है। अखिलेश यादव ने आज सुबह ट्वीट किया कि उत्तर प्रदेश में 5 साल सरकार चलाने के बाद अब सरकार के दिमाग की बत्ती जली कि बिजली विभाग में 'व्यापक सुधार' की जरूरत है। गौरतलब है कि सीएम योगी आदित्यनाथ ने पिछले दिनों प्रदेशभर में रोस्टर के मुताबिक निर्बाध बिजली का आदेश देते हुए बिजली विभाग में व्यापाक सुधार करने को कहा था। उन्होंने कहा कि भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को ध्यान में रखकर कार्ययोजना तैयार किया जाए। सीएम ने कहा कि ऊर्जा मंत्री बिजली विभाग की कार्यप्रणाली की समीक्षा कर हर स्तर पर व्यापक बदलाव के प्रयास करें। उन्होने कहा कि बिजली बिल के समय से भुगतान के लिए उपभोक्ताओं को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

सिर्फ डेटा से पेट नहीं भरता

इससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने विदेश दौरे पर गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि सिर्फ डेटा से पेट नहीं भरता, सस्ता पेट्रोल-डीजल, गैस, दाल, चावल, तेल, घी और आटा भी होना चाहिए। उन्होंने ट्वीट में सवाल उठाते हुए कहा कि सवाल यह है कि जब हैं भूखे पेट, तो क्या करेगा नेट। विदेशों में सम्पन्न लोगों से ताली बजवाना और देश में विपन्न आदमी की थाली सजवाना दो अलग-अलग बातें हैं।

गंभीर रोग से जूझ रहा लखनऊ जेल में बंद शिवराम, बेहतर इलाज के लिए सीएम से अपील

» महानिरीक्षण के यहा लंबित है पंद्रह दिन से मामला, रोगी की बिगड़ रही है हालत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजसेवी व लखनऊ निवासी एडवोकेट सैय्यद मोहम्मद हैदर रिजवी ने लखनऊ जिला कारागार में निरूद्ध गंभीर रोग से पीड़ित बंदी शिवराम पाण्डेय पुत्र श्रीराम पाण्डेय को त्वरित उपचार के लिए आईएलबीएस दिल्ली भेजे जाने के संबंध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा है।

पत्र में एडवोकेट रिजवी ने बताया कि लखनऊ जेल में निरूद्ध बंदी शिवराम गंभीर रूप से यकृत रोग से पीड़ित है, जिसका इलाज किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के शीर्ष चिकित्सकों द्वारा चल रहा है। लेकिन अब उसे और बेहतर इलाज की जरूरत है, ऐसे में उक्त बंदी को उपचार हेतु इंस्टिट्यूट ऑफ लीवर एंड बिलियरी साइंस दिल्ली ले जाना पड़ेगा। साथ ही यह भी बता दें कि उक्त बंदी की पत्नी निधि पाण्डेय के द्वारा अपनी समस्त संपत्तियों को बेचकर धन

जुटाकर उक्त चिकित्सा में होने वाले खर्च को वहन करने का उत्तरदायित्व लिया गया है एवं सहयोग की भी अपेक्षा है। डॉक्टरों के परामर्श एवं संस्तुति के आधार पर लखनऊ जेल के वरिष्ठ अधीक्षक के द्वारा इस प्रकरण को महानिरीक्षक को बताया गया। दो सप्ताह बीत जाने के बाद भी महानिदेशक स्तर से उक्त निर्णय लंबित है, जिससे शिवराम पाण्डेय की स्थिति दयनीय होती जा रही है। रिजवी ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा कि इस प्रकरण में महानिरीक्षक द्वारा शिवराम को दिल्ली इलाज के लिए अनुमति दी जाए ताकि उसके मौलिक अधिकारों की रक्षा हो सके।

बलरामपुर अस्पताल में डॉक्टर ने ओटी टेक्नीशियन को जड़ा थप्पड़

» नाराज कर्मचारियों ने जमकर किया हंगामा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बलरामपुर अस्पताल में कल रात एक डॉक्टर की अभद्रता सामने आई है। डॉक्टर ने ओटी टेक्निीशियन को किसी बात पर जोरदार थप्पड़ जड़ दिया, जिस वजह से संविदा कर्मचारियों में आक्रोश है। वे डाक्टर के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

दरअसल, मंगलवार की देर रात किसी बात को लेकर ओटी टेक्निशियन को डॉक्टर ने थप्पड़ जड़ दिया, जिसके विरोध में अस्पताल के संविदा कर्मचारियों ने बुधवार सुबह धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान अस्पताल का काम कुछ समय के लिए ठप रहा। कर्मचारियों ने आरोपी डॉक्टर के खिलाफ जमकर नारेबाजी

की और उन पर कार्रवाई की मांग भी की है। इस मामले की जानकारी होने पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. जीपी गुप्ता ने कर्मचारियों को समझा कर धरना खत्म कराया। संयुक्त जिला चिकित्सालय आउट सोर्सिंग संविदा कमर्चारी महासंघ के अध्यक्ष केएम गुप्ता व महामंत्री प्रदीप कश्यप के नेतृत्व में कुछ कर्मचारियों को मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने वार्ता के लिए बुलाया। जहां मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने दोनों के बीच सुलह कराया।

कोरोना का खतरा अभी टला नहीं : राष्ट्रपति

रामनाथ कोविंद बोले, सतर्क रहेंगे तभी किया जा सकता है नियंत्रित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर व उत्तर प्रदेश में अप्रैल के पहले सप्ताह से कोरोना वायरस संक्रमण में इजाफा हुआ है। पिछले तकरीबन 10 दिन से दिल्ली में रोजाना 1000 से अधिक कोरोना के केस सामने आ रहे हैं और अधिकतम मामले 1607 तक आ चुके हैं। वहीं यूपी में रोजाना तीन सौ केस आ रहे हैं। इस बीच राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द ने देश की जनता से कोरोना वायरस से सावधान और सतर्क रहने की अपील की है, जिससे इस बीमारी को फैलने से रोका जा सके।

राष्ट्रपति ने दिल्ली में एक कार्यक्रम में कहा कि कोरोना का खतरा अभी टला नहीं है, इसलिए सभी को सतर्क रहना चाहिए और मास्क लगाने के साथ ही

कोरोना से बचाव संबंधी नियमों का पालन करना चाहिए। मास्क के प्रयोग के महत्व को जैन धर्म प्रवर्तकों द्वारा सदियों पहले ही समझ लेने का जिक्र करते हुए राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द ने कहा कि जैन धर्म में शारीरिक परिश्रम, भोजन के संयम और पर्यावरण के अनुकूल जीवन जीने के लिए स्वस्थ रहने पर खास जोर दिया गया है। कार्यक्रम में राष्ट्रपति की पत्नी और देश की प्रथम महिला सविता कोविन्द भी मौजूद थीं।

राष्ट्रपति ने लोगों को अक्षय तृतीया की बधाई देते हुए कहा कि आज ही के दिन जैन धर्म के प्रथम तीर्थकर भगवान ऋषभदेव जी ने एक साल 39 दिन के उपवास के बाद पारणा की थी। मान्यता है कि इस दिन किए प्रत्येक कार्य का फल शुभ होता है, इसलिए आज के दिन अस्पताल के नवीनीकरण का शिलान्यास भी इसके उज्ज्वल भविष्य का संकेत देता है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।